>**Title**: Request to declare 18th December as Gazetted holiday on the eve of birthday of great saint Guru Ghasidas.

अध्यक्ष महोदय : श्री पुन्नू लाल मोहले।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम सबको बुलाएंगे। पोस्टल स्ट्राइक के बारे में मैंने कालिग अटैन्शन अलाव किया है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: With regard to the postal strike, I have allowed a Calling Attention. It would be taken up tomorrow.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मारूति उद्योग लिमिटेड के श्रमिकों के बारे में आपने कहा था कि हमें बोलने का मौका देंगे। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please understand. The Calling Attention has been posted for tomorrow.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If you do not want to speak on the Calling Attention, you can raise this matter during the 'Zero Hour'. I can call your name also. Otherwise, please take your seat.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, हमने इस पर नोटिस दिया है। मारूति उद्योग लिमिटेड के 4000 कर्मचारी उद्योग भवन के सामने बैठे हुए हैं। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इसके बाद हम आपको मौका देंगे।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia, I will allow you later. Please sit down. I have called Shri Punnu Lal Mohale.

...(*Interruptions*)

श्री पुन्नू लाल मोहले (बिलासपुर) : अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन संत गुरू घासीदास जी के जन्म दिवस के उपलक्ष पर 18 दिसंबर को राजपत्रित अवकाश घोषित करने के बारे में है। â€¦(व्यवधान)

SHRI ANIL BASU (ARAMBAGH): Sir, this is a very important issue. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except what Shri Punnu Lal Mohale says.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Shri Anil Basu, are you interested in the Calling Attention or not? If you are not interested, you may please tell me.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You do not know the procedure. You are raising every matter that you want. Are you interested in the Calling Attention or not?

...(*Interruptions*)

SHRI ANIL BASU : Sir, you were very kind enough to admit the Calling Attention but what about the response on the part of the Government? ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please do not disturb the House now.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except what Shri Punnu Lal Mohale says.

*(Interruptions) **

श्री पुन्नू लाल मोहले (बिलासपुर) : अध्यक्ष महोदय, छत्तीसगढ़ के संत बाबा गुरु घासीदास जी के जन्मदिवस के उपलक्ष में 18 दिसंबर को पूरे देश में छुट्टी

करने के संबंध में मैं कहना चाहूंगा कि संत बाबा गुरू घासीदास जी का जन्म 18 दिसम्बर, 1756 को गांव गिरौदपुरी मैं हुआ जो तत्कालीन बिलासपुर जो बाद में रायपुर जिला में चला गया में है। बाल्यकाल से ही घासीदास जी नये-नये चमत्कार तथा आध्यात्मिक ज्ञान, शांति और प्रेम के रास्ते आम नागरिकों को दिखाते एवं बताते थे जिसे देखकर और सुनकर लोग उन्हें चमत्कारी पुरुा मानने लगे थे। वे साधारण मानव नहीं थे। इनके जीवन काल में एक ऐसी घटना और घटी

* Not recorded

जिसने इनके जीवन को झकझोर दिया। बाबाजी की पत्नी श्रीमती सफुरा की अचानक मृत्यु ने इनके जीवन में एक नया मोड़ ला दिया। पत्नी के प्रेम में व्याकुल होकर बाबा जी आत्महत्या करने के लिए आतुर होकर जंगल में जाकर लगभग 200 फुट ऊंचे पहाड़ पर जा पहुंचे जिसका नाम छत्ता पहाड़ था।

अध्यक्ष महोदय, छत्ता पहाड़ पर चढ़कर, वहां से कूद कर उन्होंने अपनी पत्नी के वियोग में आत्महत्या करनी चाही, लेकिन भगवान के चमत्कार से वे पृथ्वी पर सीधे आकर खड़े हो गए। उसके बाद वे छ: महीने छत्ता पहाड़ में ध्यानमग्न रहे। उन्हें शक्ति प्राप्त हुई कि हे मानव, तुम साधारण नहीं हो, तुम लाखों दुखियों के दुख तथा संदेह का निवारण करने वाले हो, जाओ कुछ कर दिखाओ। वापस आकर उन्होंने अपनी पत्नी, जो छः महीने पहले मर गई थी, उनको मरघट से निकालकर उसे सत्य उपदेश तथा अमृतपान देकर जिला दिया जिससे समाज आश्चर्यचकित होकर उनकी जय-जयकार करने लगा तथा लाखों लोग उनके अनुयायी बन गए। साहू और याद व समाज की मरी हुई बछिया तथा मृतक लड़कों को जिलाने के कारण उक्त समाज के लोग भी उनके अनुयायी बन गए तथा सतनाम धर्म का पालन करने लगे। म.प्र.सरकार ने 18 दिसम्बर को वार्ों से छुट्टी घोाित कर रखी है। इसलिए मेरी केन्द्र सरकार से प्रार्थना है कि वह 18 दिसम्बर को राजपत्रित अवकाश घोाित करे।â€¦(व्यवधान)